SAMPLE CONTENT

Perfect Notes

हिंदी सुलभभारती

Build Powerful Concepts

डॉ. बंदर

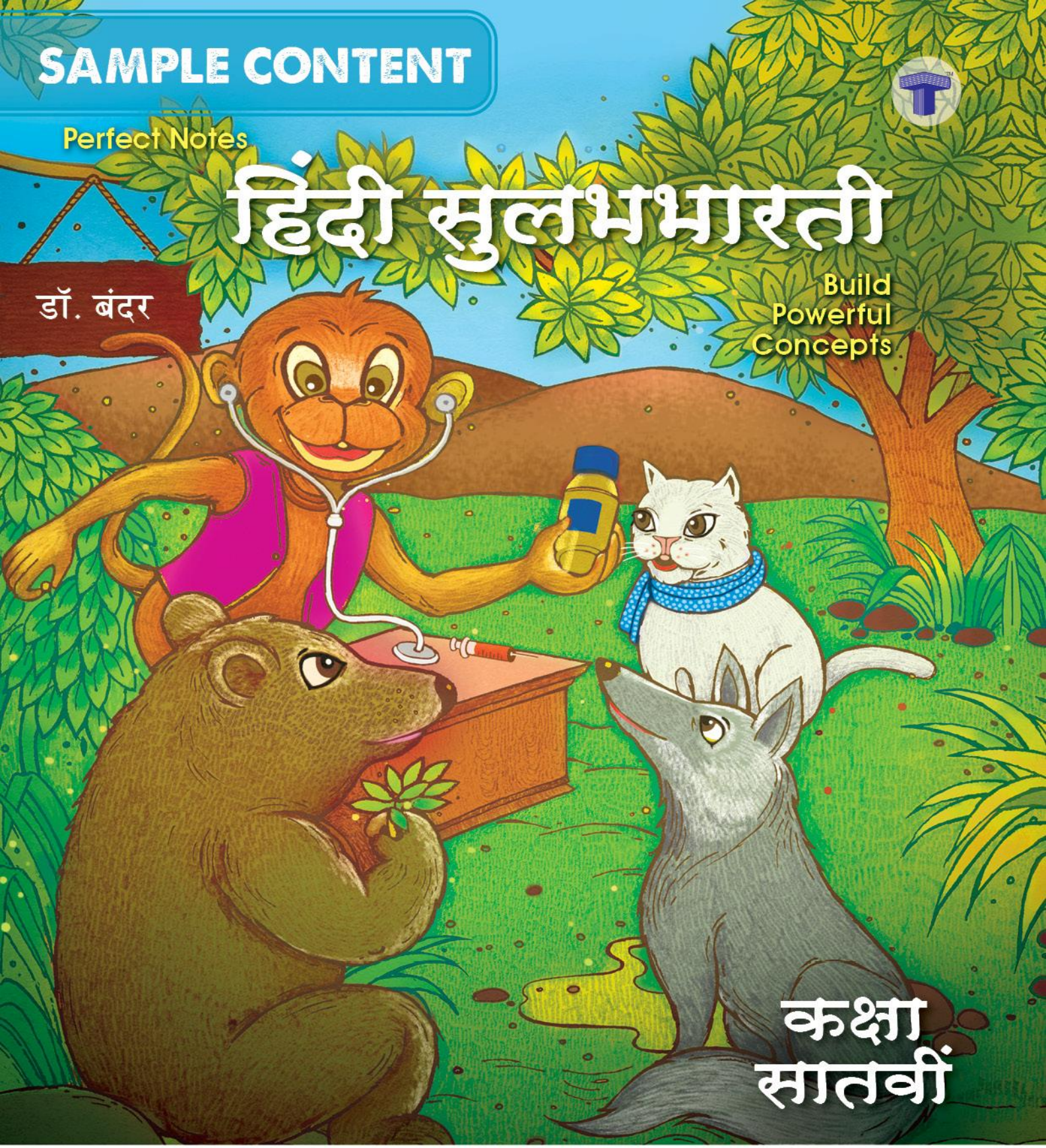

कक्षा सातवीं

Target Publications Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे
द्वारा संशोधित परीक्षा पद्धति पर आधारित

कक्षा सातवीं

हिंदी सुलभभारती

Printed at: **Print Vision,** Navi Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 13028** P.O. No. 145177

प्रस्तावना

प्रिय मित्रो,

सातवीं कक्षा में आपका हार्दिक स्वागत है। आपके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शिक्षण मंडळ ने नए अभ्यासक्रम का निर्माण किया है। CCE अभ्यासक्रम के आधार पर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी सुलभभारती सातवीं कक्षा** मार्गदर्शक पुस्तिका की रचना की गई है। यह पुस्तिका नवीन पाठ्यक्रम को सरल एवं रुचिकर बनाने के साथ-साथ विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच सेतु का कार्य करेगी।

इस पुस्तिका में गद्य, पद्य तथा चित्र-पाठों का मूल्यांकन विविध रूपों में प्रस्तुत किया गया है। संकलित मूल्यांकन एवं आकारिक मूल्यांकन के अलग-अलग विभाग बनाए गए हैं। प्रत्येक पाठ के आरंभ में पाठ परिचय, शब्दार्थ, मुहावरे, कहावतें व भावार्थ का आवश्यकतानुसार समावेश किया गया है। पाठ में आए कठिन शब्दों के हिंदी व अंग्रेजी में अर्थ देकर छात्रों का शब्दज्ञान बढ़ाने और शब्द संकल्पना स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

'संकलित मूल्यांकन' के अंतर्गत ज्ञान एवं आकलन क्षमता बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के ग्रहण, स्मरण व समझ पर आधारित विविध प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया गया है। 'आकारिक मूल्यांकन' के अंतर्गत उपयोजन व कौशल क्षमता बढ़ाने के लिए कल्पनात्मक व सृजनात्मक विचारों पर आधारित पाठ्यपुस्तक में उल्लिखित विषयों का विस्तृत वर्णन किया गया है।

विद्यार्थी संपूर्ण पाठ को आसानी से समझ सकें तथा श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन क्षमता के साथ-साथ उनमें वैचारिक शक्ति का पूर्ण विकास हो सके इसलिए प्रत्येक पाठ में अनेक संभावित प्रश्नों को भी सम्मिलित किया गया है। चित्र-पाठों का विस्तार से वर्णन करके छात्रों की कल्पनाशक्ति विकसित करने का प्रयास किया गया है। व्याकरण संबंधी संकल्पनाओं को स्पष्ट करने के लिए 'भाषा अध्ययन (व्याकरण)' विभाग दिया गया है। 'लेखन-विभाग' के अंतर्गत निबंध, पत्र, कहानी तथा संवाद का समावेश करके विद्यार्थियों को लेखन-कला से परिचित कराया गया है।

उपरोक्त विभागों के अतिरिक्त छात्रों द्वारा स्वयं मूल्यमापन के लिए पुस्तक के अंत में प्रश्नपत्र भी दिए गए हैं। अंततः यह कहना अनुचित न होगा कि संपूर्ण पुस्तिका विविधता के विस्तार से युक्त है तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी। हमें आशा है कि निश्चय ही यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा की ओर मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता है: mail@targetpublications.org

शुभकामनाओं सहित धन्यवाद!

प्रकाशक

संस्करण- द्वितीय

Disclaimer

This reference book is transformative work based on textual contents published by Bureau of Textbook. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

SAMPLE CONTENT

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	लेखक/कवि	पृ.क्र.
	पहली इकाई		
१.	वाचन मेला	-	१
२.	फूल और काँटे	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	४
३.	दादी माँ का परिवार	रमाकांत 'कांत'	९
४.	देहात और शहर	अभिषेक पांडेय	१५
५.	बंदर का धंधा	नरेंद्र गोयल	२३
६.	'पृथ्वी' से 'अग्नि' तक	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	२७
७.	जहाँ चाह, वहाँ राह	अनुराधा मोहिनी	३४
८.	जीवन नहीं मरा करता है	गोपालदास सक्सेना 'नीरज'	४०
	अभ्यास - १	-	४६
	पुनरावर्तन - १	-	४७
	दूसरी इकाई		
१.	अस्पताल	-	४९
२.	बेटी युग	आनंद विश्वास	५२
३.	दो लघुकथाएँ	-	५८
४.	शब्द संपदा	डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे	६५
५.	बसंत गीत	चंद्रप्रकाश 'चंद्र'	७२
६.	चंदा मामा की जय	मंगल सक्सेना	७५
७.	रहस्य	हरिकृष्ण देवसरे	८१
८.	हम चलते सीना तान के	डॉ. हरिवंशराय बच्चन	८८
	अभ्यास - २	-	९५
	अभ्यास - ३	-	९६
	पुनरावर्तन - २	-	९८
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	-	१००
	लेखन-विभाग		
	१. निबंध-लेखन	-	११४
	२. पत्र-लेखन	-	११८
	३. कहानी-लेखन	-	१२१
	४. संवाद-लेखन	-	१२५
	आदर्श प्रश्नपत्र - १	-	१२९
	आदर्श प्रश्नपत्र - २	-	१३१

नोट: पाठ में दिए गए प्रश्नों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

SAMPLE CONTENT

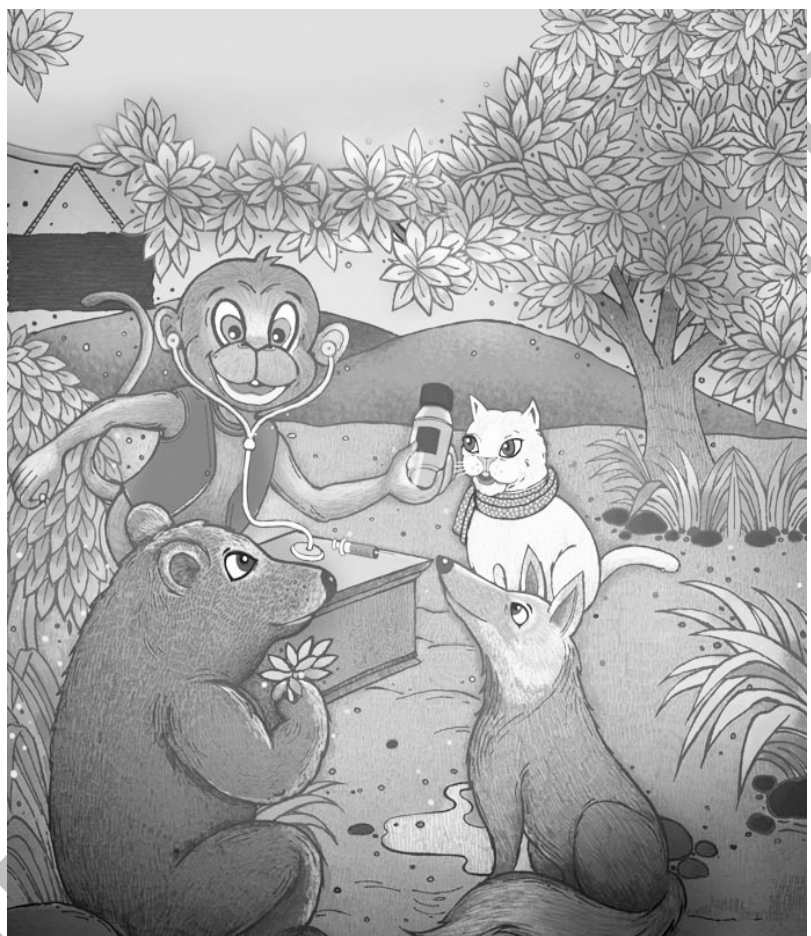

हिंदी सुलभभारती

SAMPLE

२. बेटी युग

-- आनंद विश्वास

पाठ परिचय

प्रस्तुत कविता में कवि ने बेटा-बेटी के अंतर को दूर करने का आग्रह करते हुए बेटियों की शिक्षा, महत्त्व के साथ-साथ उनकी आत्मनिर्भरता और प्रगति को प्रतिपादित किया है।

शब्द वाटिका

अनपढ़	अशिक्षित, गँवार (illiterate)
इरादा	संकल्प (determination)
उत्थान	प्रगति (progress)
कलम	लेखनी (pen)
खतरनाक	खतरे से भरा हुआ (dangerous)
गढ़ना	बनाना, तैयार करना (prepare)
जाहिर	ज्ञात (known)
तरुण	नवजवान, युवा (young)
दौर	काल, समय, युग (period)

नेक	भला, अच्छा (righteous)
पर्व	त्योहार (festival)
पावन	पवित्र, शुद्ध, पुण्य (holy)
फौलाद	लोहा (iron)
मनन	सोचना, विचार करना (contemplate)
शक्ति	ताकत, बल (power)
समीक्षा	परीक्षण, गुण-दोष की पहचान (analyse)
सयानी	समझदार (intelligent)
सुहानी	सुंदर (pleasant)

मुहावरा

***ठान लेना** - निश्चय करना।

भावार्थ

१. **नानी वाली ..... लें नई कहानी।**

अर्थ: प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि कह रहा है कि बचपन में हम सबको अपनी नानी से कहानियाँ सुनने में बड़ा मजा आता था। आज भी वही कहानियाँ हमें सुंदर लगती हैं। आज बेटियों के अस्तित्त्व पर संकट-सा छा गया है, इसलिए कवि इस युग को ही बेटी युग बनाकर बेटियों के इस नए युग में नई कहानी लिखने की बात करता है।

२. **बेटी युग में ..... लगे सुहानी।**

अर्थ: कवि कहता है कि आज के आधुनिक युग में बेटा और बेटी दोनों को शिक्षा के समान अवसर मिलने चाहिए। शिक्षा के माध्यम से दोनों ही जीवन में प्रगति करेंगे। शिक्षा से उनमें आत्मविश्वास जागेगा और वे स्वयं लोहे की तरह मजबूत व अच्छे संकल्प लेकर अपना सफल इतिहास बनाएँगे। इस बेटी युग में पूरा देश पढ़ेगा और बढ़ेगा। देश की युवा शक्ति अपनी ताकत व क्षमता से देश का विकास करेगी। नानी की कहानियाँ सुनने में आज भी मजा आता है।

३. **बेटा शिक्षित ..... लगे सुहानी।**

अर्थ: कवि के अनुसार यदि केवल बेटों को ही शिक्षा दी जाएगी तो शिक्षा अधूरी होगी। यदि बेटों के साथ-साथ बेटियों को भी शिक्षा का अवसर दिया जाएगा, तो ही शिक्षा का प्रसार व उद्देश्य पूरी तरह सफल हो पाएगा और संपूर्ण देश शिक्षित हो पाएगा। कवि कहता है कि हमने इस विषय में सोचा है, अब तुम भी इस बारे में विचार करो, समझो और इसके अच्छे-भले परिणाम तक पहुँचो। हमने तो सोच-विचार कर मन में यह दृढ़ निश्चय कर लिया है कि हमें न केवल एक देश बल्कि पूरे विश्व को शिक्षित करना है। नानी की कहानियाँ सुनने में आज भी मजा आता है।

SAMPLE CONTENT

४. अब कोई ना ..... लगे सुहानी।

अर्थ: कवि कहता है कि इस युग में अब कोई भी अशिक्षित नहीं रहेगा। सभी के हाथों में पुस्तक होगी। कोई भी शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा और सभी के घर-घर तक ज्ञान की गंगा पहुँचेगी। पुस्तक और कलम की ताकत पूरी दुनिया को पता है। नानी की कहानियाँ सुनने में आज भी मजा आता है।

५. बेटी युग सम्मान ..... लगे सुहानी।

अर्थ: कविता की अंतिम पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि आज का समय केवल बेटी युग ही नहीं है, बल्कि यह तो सम्मान का उत्सव (त्योहार) है। यह ज्ञान का पवित्र उत्सव है। यदि हर कोई एक-दूसरे का सम्मान करे, तो यह हर व्यक्ति की प्रगति का उत्सव है। आज पूरा भारत बेटियों के इस युग का सम्मान व स्वागत कर रहा है। नानी की कहानियाँ सुनने में आज भी मजा आता है।

संकलित मूल्यांकन (Summative Assessment)

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

प्र.१. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

i. बेटा-बेटी खुद अपना ..... गढ़ेंगे।
ii. अब कोई भी ..... नहीं होगा।
iii. ..... की पावन धारा सबके आँगन तक पहुँचेगी।
iv. सब सबका सम्मान करें तो, जन-जन का ..... पर्व है।

उत्तर: i. इतिहास ii. अनपढ़ iii. ज्ञानगंगा iv. उत्थान

प्र.२. निम्नलिखित वाक्यों के सामने सही या गलत लिखिए:

i. नानी वाली कथा-कहानी अब भी जग में सुहानी लगती है। .....
ii. बेटा युग में बेटी-बेटा सभी पढ़ेंगें और बढ़ेंगे। .....
iii. सभी के हाथों में पुस्तक होगी। .....
iv. बेटी युग सम्मान पर्व है। .....

उत्तर: i. सही ii. गलत iii. सही iv. सही

प्र.३. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

क्र.	अ		ब
i.	कथा	क.	इरादे
ii.	नेक	ख.	सयानी
iii.	तरुण	ग.	कहानी
iv.	हवा	घ.	जवानी

उत्तर: (i - ग), (ii - क), (iii - घ), (iv - ख)।

प्र.४. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

i. बेटे-बेटियों के इरादे कैसे होंगे?

उत्तर: बेटे-बेटियों के इरादे फौलादी और नेक होंगे।

ii. शिक्षा कब पूरी होती है?

उत्तर: बेटा और बेटी दोनों के शिक्षित हो जाने पर शिक्षा पूरी होती है।

iii. किसकी पावन धारा सबके आँगन तक पहुँचेगी?

उत्तर: ज्ञानगंगा की पावन धारा सबके आँगन तक पहुँचेगी।

SAMPLE CONTENT

iv. कौन-सा युग सम्मान का पर्व है?

उत्तर: बेटी युग सम्मान का पर्व है।

v. कवि ने मन में क्या ठानी है?

उत्तर: कवि ने सारे जग को शिक्षित करने की मन में ठानी है।

vi. किसकी शक्ति जग जाहिर है?

उत्तर: पुस्तक और कलम की शक्ति जग जाहिर है।

प्र.५. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए:

i. नानी वाली ....,........ ।.........,........ **लें नई कहानी।**

***ii. बेटी युग में** ....,........ ।.........,........ **गढ़ेंगे।**

***iii. बेटी युग** ....,........ ।.........,........ **उत्थान पर्व है।**

iv. सोने की ....,........ ।.........,........ **लगे सुहानी।**

उत्तर: i.
नानी वाली कथा-कहानी,
अब भी जग में लगे सुहानी।
बेटी युग के नए दौर की,
आओ लिख लें नई कहानी।

ii.
बेटी युग में बेटा-बेटी,
सभी पढ़ेंगे, सभी बढ़ेंगे।
फौलादी ले नेक इरादे,
खुद अपना इतिहास गढ़ेंगे।

iii.
बेटी युग सम्मान पर्व है,
पुण्य पर्व है, ज्ञान पर्व है।
सब सबका सम्मान करें तो,
जन-जन का उत्थान पर्व है।

iv.
सोने की चिड़िया तब बोले,
बेटी युग की हवा सयानी।
नानी वाली कथा-कहानी,
अब भी जग में लगे सुहानी।

***प्र.६. जानकारी लिखो:**

i. बेटी पर्व

उत्तर: बेटी पर्व अर्थात बेटियों के सम्मान का पर्व। समाज में बेटियों के प्रति नकारात्मक विचारों को खत्म करने का प्रयास ही बेटी पर्व है। आज भी समाज के शिक्षित-अशिक्षित सभी वर्गों द्वारा बेटे व बेटियों में भेदभाव किया जाता है। बेटे की इच्छा रखनेवाले बेटियों को जन्म लेने से पूर्व ही मार देते हैं। यदि बेटी ने जन्म ले भी लिया तो मृत्यु तक उसके साथ भेदभाव चलता रहता है। कभी खान-पान की वस्तुओं में भेदभाव तो कभी खेल-खिलौनों में भेदभाव। कभी शिक्षा में भेदभाव तो कभी नौकरी-व्यवसाय में भेदभाव। इस तरह की कई समस्याओं का समाधान करने के लिए व समाज के लोगों में बेटा-बेटी के प्रति एक समान दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास ही बेटी पर्व है। भेदभाव का अंतर दूर करने, बेटियों को समानता का अधिकार देने व समाज को बेटियों की भूमिका के प्रति जागरूक करने के लिए ही बेटी पर्व मनाए जाने की बात कवि ने कही है।

ii. शिक्षामय विश्व

उत्तर: शिक्षामय विश्व का मतलब है पूरे विश्व का शिक्षित होना। संपूर्ण विश्व में शिक्षा का प्रचार-प्रसार होने पर उसका परिणाम भी सकारात्मक होगा। हम विश्व को तभी शिक्षित कह सकते हैं जब विश्व का प्रत्येक नागरिक शिक्षित होगा। केवल लड़कों को शिक्षित करने पर भविष्य में पुरुष समुदाय ही शिक्षित रहेगा, जबकि विश्व की लगभग आधी आबादी महिलाओं व लड़कियों की है। अत: विश्व की आधी आबादी (लड़कियों व स्त्रियों) के अशिक्षित होने से उनकी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक दिशा में नहीं किया जा सकेगा। विश्व की प्रगति व विकास की गति मंद हो जाएगी। इसी दूरगामी संकट से निजात पाने व वैश्विक विकास की गति तीव्र करने के लिए संपूर्ण विश्व शिक्षा का महत्त्व स्वीकार कर रहा है। संपूर्ण विश्व अब शिक्षामय विश्व की ओर बढ़ रहा है।

SAMPLE CONTENT

*मैंने समझा

उत्तर: आज के आधुनिक युग में भी अधिकतर परिवारों में बेटा-बेटी के बीच भेदभाव किया जाता है। यह सत्य है कि संसार केवल पुरुषों से ही नहीं बना है। सृष्टि के हर पड़ाव पर स्त्रियों ने भी माँ, बेटी, बहन, चाची, मौसी, मामी, दादी, नानी आदि के रूप में अपना निरंतर योगदान दिया है। इस कविता के माध्यम से कवि बेटियों को उनकी शिक्षा, उनके महत्त्व, उनकी आत्मनिर्भरता और प्रगति के बारे में आश्वस्त करते हुए उनके लिए समान अधिकारों की माँग का आवाहन करता है।

शब्दज्ञान व व्याकरण

प्र.१. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए:

i. कथा = ...
ii. जग = ...
iii. दौर = ...
iv. तरुण = ...
v. पुस्तक = ...
vi. सम्मान = ...
vii. पुण्य = ...
viii. उत्थान = ...

उत्तर: i. कहानी ii. विश्व iii. काल iv. युवा
v. किताब vi. आदर vii. पावन viii. प्रगति

प्र.२. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए:

i. नई × .....
ii. शिक्षित × .....
iii. सम्मान × .....
iv. पुण्य × .....
v. ज्ञान × .....
vi. उत्थान × .....

उत्तर: i. पुरानी ii. अशिक्षित iii. अपमान iv. पाप
v. अज्ञान vi. पतन

प्र.३. निम्नलिखित शब्दों के लयात्मक शब्द लिखिए:

i. कहानी - .....
ii. बढ़ेंगे - .....
iii. शिक्षा - .....

उत्तर: i. सुहानी ii. गढ़ेंगे iii. समीक्षा

प्र.४. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

i. कथा - .....
ii. बेटी - .....
iii. कहानियाँ - .....
iv. इरादा - .....
v. पुस्तकें - .....
vi. कलम - .....
vii. चिड़िया - .....
viii. हवाएँ - .....

उत्तर: i. कथाएँ ii. बेटियाँ iii. कहानी iv. इरादे
v. पुस्तक vi. कलमें vii. चिड़ियाँ viii. हवा

प्र.५. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

ठान लेना

उत्तर: ठान लेना – निश्चय करना।

वाक्य: डिप्टी साहब ने मन में **ठान लिया है** कि एक दिन गाँव में सबसे आलीशान मकान बनवाएँगे।

***प्र.६. निम्नलिखित शब्दों के युग्म शब्द बताओ और वाक्यों में उचित शब्दयुग्म लिखो:** (भाषा की ओर, पा. पु. पृ. क्र. ३०)

i. धन - .....
ii. घूमना - .....
iii. घर - .....
iv. गाँव - .....
v. ..... - फूल
vi. कूड़ा - .....
vii. ..... - पहचान
viii. ..... - उधर

SAMPLE CONTENT

उत्तर: i. **धन-दौलत** = अथक परिश्रम से उसने **धन-दौलत** कमाई।

ii. **घूमना-टहलना** = सेहत के लिए **घूमना-टहलना** अच्छा होता है।

iii. **घर-घर** = दीपावली में **घर-घर** मिठाइयाँ बनती हैं।

iv. **गाँव-गाँव** = अंतरजाल की सुविधा **गाँव-गाँव** में उपलब्ध है।

v. **फल-फूल** = बाजार से बहुत सारे **फल-फूल** खरीदकर लाए।

vi. **कूड़ा-कचरा** = बच्चों ने मैदान पर फैला **कूड़ा-कचरा** इकट्ठा किया।

vii. **जान-पहचान** = समारोह में सभी **जान-पहचान** वालों को आमंत्रित किया।

viii. **इधर-उधर** = बगीचे में आते ही सभी बच्चे **इधर-उधर** दौड़ने लगे।

आकारिक मूल्यांकन (Formative Assessment)

*अध्ययन कौशल

अपने विद्यालय के पाँचवीं से आठवीं तक की कक्षाओं में पढ़ रहे छात्र और छात्राओं की संख्या संयुक्त स्तंभालेख द्वारा दर्शाओ।

निर्देश: कक्षा में पढ़ाए गए गणितीय सूत्र के आधार पर विद्यार्थी अपने विद्यालय के पाँचवीं से आठवीं तक की कक्षाओं में पढ़ रहे छात्र और छात्राओं की संख्या संयुक्त स्तंभालेख द्वारा दर्शाएँ और शिक्षक को दिखाएँ।

*वाचन जगत से

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर के कार्य पढ़ो और प्रमुख मुद्दे बताओ।

उत्तर: मालवा राज्य की महारानी अहिल्याबाई होळकर का जन्म ३१ मई, १७२५ को चौंडी ग्राम, जमखेड, अहमदनगर, महाराष्ट्र में हुआ था। अहिल्याबाई होळकर इतिहास में प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होळकर के पुत्र खांडेराव की पत्नी थी। इनका देहांत १३ अगस्त, १७९५ को हुआ। कम उम्र में ब्याह होने के बाद से अहिल्याबाई ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखें। अपने पति, पुत्र, पुत्री तथा दामाद की असमय मृत्यु के कारण महारानी का गृहस्थ जीवन कभी सुखद नहीं रहा। इसके बावजूद समाज के लिए उन्होंने जो कार्य किए हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं।

अहिल्याबाई होळकर के कार्य:

i. भारत के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मंदिर बनवाए।

ii. घाट बँधवाए, सार्वजनिक कुओं और बावड़ियों का निर्माण कराया।

iii. मार्ग सुधार तथा नए मार्ग बनवाए।

iv. भूखों के लिए अन्नक्षेत्र खुलवाए।

v. अंधविश्वास तथा रूढ़ियों की जकड़ में कसे समाज को जागृत किया।

*सुनो तो जरा

त्योहार मनाने के उद्देश्य की वैज्ञानिकता सुनो और सुनाओ।

उत्तर: भारतीय संस्कृति में प्रत्येक त्योहार धार्मिक होने के बावजूद अपने आप में वैज्ञानिक महत्त्व रखता है। वर्तमान समय में वैज्ञानिकों ने भी प्राचीन काल से चले आ रहे त्योहारों की वैज्ञानिकता सिद्ध की है। वास्तव में त्योहार कोई अवतरित समारंभ या उल्लास पर्व नहीं हैं। यह किसी समय में निश्चित समुदाय में रहने वाले लोगों की सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति का एक रूप था। जीवन को आनंदमय बनाने व पुण्य कर्म की ओर बढ़ने के साथ ही साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने हेतु त्योहारों का उद्भव व विकास हुआ है। वैसे तो सभी त्योहारों का अपना वैज्ञानिक महत्त्व है, इसी तरह होली की वैज्ञानिकता निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट होती है:

i. होलिकादहन की अग्नि की दिशा की लपट देखकर किसान इस बात का अनुमान लगा लेते हैं कि किस दिशा में वर्षा अधिक होगी। राजस्थान में यह परंपरा किसानों में आम है।

ii. होलिका दहन की भस्म (राख) को अनाज में डालने से कीड़ों से सुरक्षा होती है।

SAMPLE CONTENT

iii. होली के रंग (गोबर, मिट्टी का घोल) में व्यक्ति को बार-बार डुबाने से ग्रीष्म ऋतु में चर्म रोगों, घमौरियों तथा पित्त से होने वाले कई रोगों से रक्षा होती थी।

iv. त्योहार के दौरान पूरे घर व परिसर की साफ-सफाई भी की जाती है। स्वच्छ वातावरण सभी के लिए लाभकारी है।

*जरा सोचो ... लिखो

तुम्हें रुपयों से भरा बटुआ मिल जाए तो...

उत्तर: यदि मुझे रुपयों से भरा बटुआ मिल जाए तो सबसे पहले मैं आस-पास के किसी बड़े व्यक्ति को इसके बारे में बताऊँगा। यदि कोई नहीं मिला तो मैं स्वयं उस बटुए को उठाकर वहाँ खड़े लोगों से पूछूँगा। उपस्थित लोगों में से किसी का बटुआ होगा तो उसे दे दूँगा। फिर भी अगर बटुए का सही मालिक नहीं मिला, तो मैं उस बटुए को घर ले जाऊँगा और माता-पिता को सारी घटना बताते हुए उन्हें वह बटुआ दे दूँगा।

*स्वयं अध्ययन

स्त्री शिक्षा का इनपर क्या प्रभाव पड़ता है, लिखो:

स्वयं | परिवार | समाज | देश

उत्तर: एक बेटी शिक्षित होती है तो वह शिक्षा का उपयोग अपने पूरे परिवार को साक्षर बनाने व उसके हित के लिए करती है। शिक्षा के कारण ही वह स्वयं के अधिकारों को सुरक्षित करती है और स्वयं को सक्षम बनाती है। आज की शिक्षित बेटी ही कल की कुशल गृहिणी (स्त्री) है। स्त्री शिक्षित होगी तो वह अपने घर की समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकती है। इससे परिवार आसानी से चलता रहेगा। स्त्रियों की भागीदारी से देश का आर्थिक विकास और सकल घरेलू उत्पादन बढ़ जाता है। स्त्री की शिक्षा गरीबी पर नियंत्रण करने का एक प्रभावी उपाय है। इसके साथ ही घरेलू हिंसा व सामाजिक अत्याचार का शिकार होने वाली स्त्री यदि शिक्षित होगी, तो वह इस तरह की घटनाओं पर अपनी सक्षमता से नियंत्रण पा सकेगी। संतान की पहली गुरु उसकी माँ होती है। अत: स्त्री की शिक्षा का असर स्वयं के साथ-साथ परिवार, समाज व देश की पीढ़ी पर पड़ेगा। अहिल्याबाई होलकर, सावित्रीबाई फुले, कल्पना चावला जैसी स्त्रियों का योगदान ही स्त्री शिक्षा के प्रभाव का सर्वोत्तम उदाहरण है। इनके कार्यों के पीछे इनकी शिक्षा का महत्त्व था। संक्षेप में कह सकते हैं कि यदि स्त्री शिक्षित होगी तो वह अपने साथ ही परिवार, समाज व देश के विकास में संपूर्ण व महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

*विचार मंथन

।। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।।

उत्तर: बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ (BBBP) यह एक सरकारी योजना है जो २२ जनवरी, २०१५ को शुरू की गई। इस घोषवाक्य से ही योजना का आशय स्पष्ट हो जाता है। बेटी बचाना अर्थात केवल बेटों को महत्त्व न देकर बेटियों को भी जीने का अधिकार दिया जाए और साथ-ही-साथ बेटियों को पढ़ने का सुअवसर भी प्राप्त हो। यह योजना बनाने का मुख्य उद्देश्य तो बेटियों के अस्तित्व को बचाना है, किंतु इसके साथ कुछ अन्य उद्देश्य भी निम्नलिखित हैं:

i. बालिकाओं को संरक्षण और सशक्त करना।

ii. जनसंख्या के आधार पर लिंगानुपात समान करने का प्रयास।

iii. पक्षपाती लिंग चुनाव की प्रक्रिया का उन्मूलन।

iv. बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना।

v. बालिकाओं को शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय व अन्य क्षेत्रों में समानता का अधिकार दिलाना।

इस प्रकार से बालिका और शिक्षा दोनों को बढ़ावा देकर एक सामाजिक आंदोलन व परिवर्तन को आधार देना ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का कार्यक्षेत्र है। समानता के मूल्य को बढ़ावा देने व समाज में जागरूकता लाने का कार्य यह योजना कर रही है।

*सदैव ध्यान में रखो

स्वयं को बदलो, समाज बदलेगा।

SAMPLE CONTENT

Std. VII

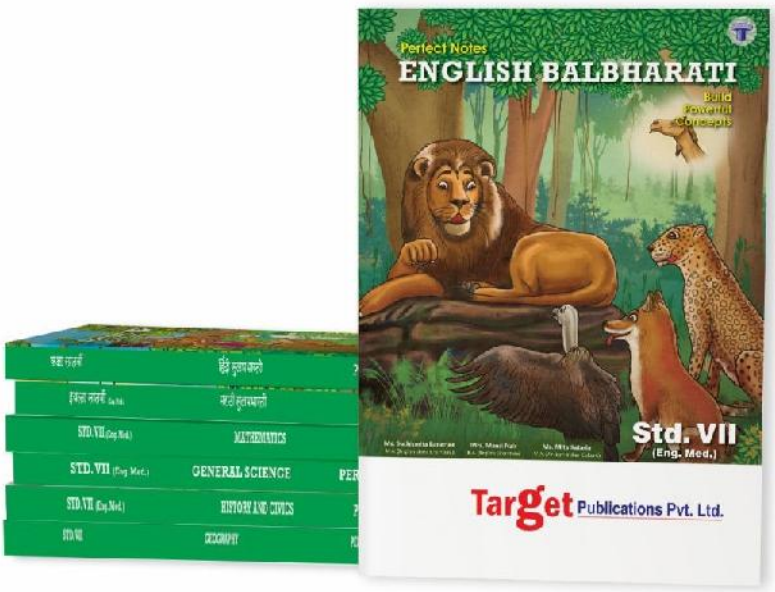

Available Subjects:

- English Balbharati
- हिंदी सुलभभारती
- मराठी सुलभभारती
- Mathematics
- General Science
- History & Civics
- Geography

BUY NOW

Salient Features

- Based on the latest syllabus of Maharashtra State Board
- Extensive coverage of textual questions as well as additional question for practice
- Coverage of textual activity based questions to widen the knowledge spectrum of students
- Provision of Chapter wise Assessment in Mathematics, Social Studies and General Science for self-assessment
- A detailed glossary, Summary and Paraphrase is provided for all Chapters and Poems in languages

Target Publications® Pvt. Ltd.

88799 39712 / 13 / 14 / 15

mail@targetpublications.org

www.targetpublications.org